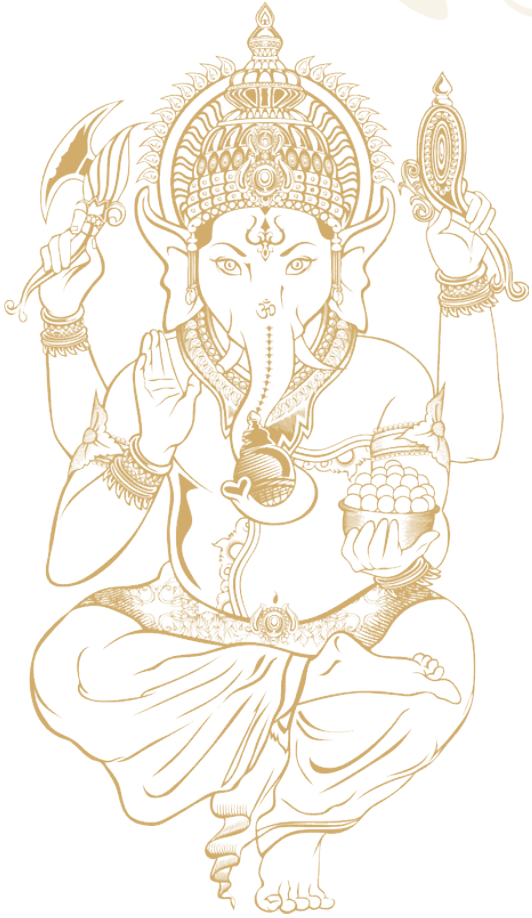

Mr.

15 Nov 1999

11:00 PM

Chamoli

Model: web-freekundliweb **Order No: 121205505**

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/11/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:00:00 घंटे**
इष्ट	40:54:43 घटी
स्थान	**Chamoli**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:22:00 उत्तर
रेखांश	79:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:47:16 घंटे
वेलान्तर	00:15:31 घंटे
साम्पातिक काल	02:24:43 घंटे
सूर्योदय	06:38:06 घंटे
सूर्यास्त	17:16:17 घंटे
दिनमान	10:38:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	29:03:00 तुला
लग्न के अंश	19:58:00 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोमनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	19:58:00	304:19:01	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
सूर्य			तुला	29:03:00	01:00:27	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			मक	21:40:42	12:17:04	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			धनु	28:06:50	00:45:25	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	29:29:56	01:20:50	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	03:10:38	00:06:30	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	13:17:12	01:05:32	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	नीच राशि
शनि	व		मेष	19:06:53	00:04:44	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु			कर्क	12:50:58	00:00:18	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
केतु			मक	12:50:58	00:00:18	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:14:44	00:01:11	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:02:00	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चिक	15:49:32	00:02:16	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	14:42:06	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:04

लग्न-चलित

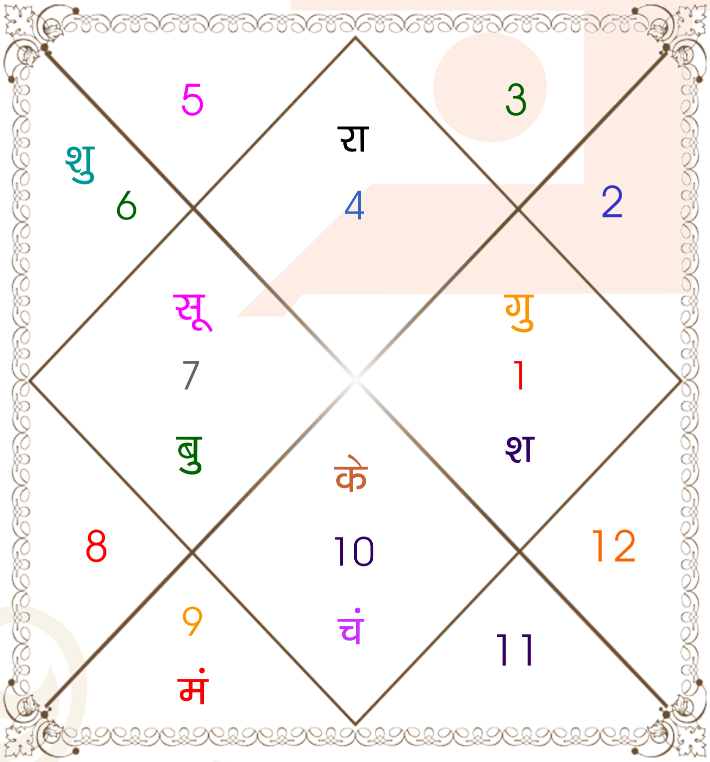

चन्द्र कुंडली

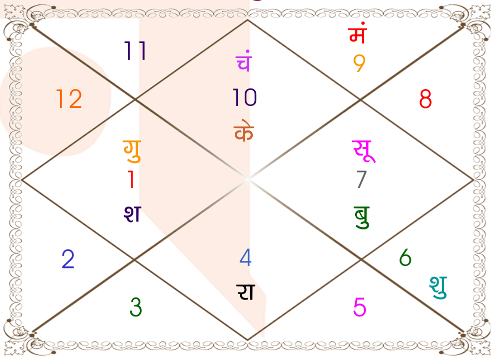

नवमांश कुंडली

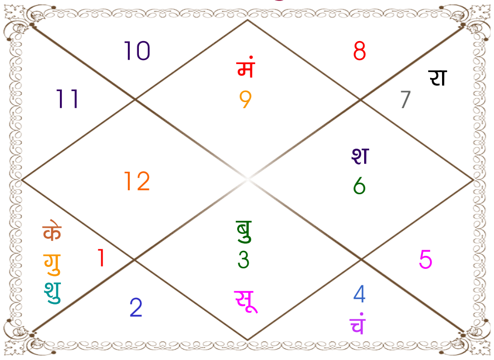

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 2 मास 27 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
15/11/1999	**11/02/2001**	**12/02/2008**	**11/02/2026**	**11/02/2042**
11/02/2001	**12/02/2008**	**11/02/2026**	**11/02/2042**	**11/02/2061**
00/00/0000	मंगल 10/07/2001	राहु 25/10/2010	गुरु 31/03/2028	शनि 14/02/2045
00/00/0000	राहु 28/07/2002	गुरु 19/03/2013	शनि 13/10/2030	बुध 25/10/2047
00/00/0000	गुरु 04/07/2003	शनि 24/01/2016	बुध 17/01/2033	केतु 03/12/2048
00/00/0000	शनि 12/08/2004	बुध 13/08/2018	केतु 24/12/2033	शुक्र 02/02/2052
00/00/0000	बुध 09/08/2005	केतु 31/08/2019	शुक्र 24/08/2036	सूर्य 14/01/2053
00/00/0000	केतु 06/01/2006	शुक्र 31/08/2022	सूर्य 13/06/2037	चंद्र 16/08/2054
15/11/1999	शुक्र 08/03/2007	सूर्य 26/07/2023	चंद्र 13/10/2038	मंगल 25/09/2055
शुक्र 12/08/2000	सूर्य 14/07/2007	चंद्र 24/01/2025	मंगल 18/09/2039	राहु 01/08/2058
सूर्य 11/02/2001	चंद्र 12/02/2008	मंगल 11/02/2026	राहु 11/02/2042	गुरु 11/02/2061

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
11/02/2061	**11/02/2078**	**11/02/2085**	**12/02/2105**	**12/02/2111**
11/02/2078	**11/02/2085**	**12/02/2105**	**12/02/2111**	**00/00/0000**
बुध 10/07/2063	केतु 10/07/2078	शुक्र 12/06/2088	सूर्य 01/06/2105	चंद्र 14/12/2111
केतु 07/07/2064	शुक्र 09/09/2079	सूर्य 13/06/2089	चंद्र 01/12/2105	मंगल 14/07/2112
शुक्र 08/05/2067	सूर्य 15/01/2080	चंद्र 11/02/2091	मंगल 08/04/2106	राहु 13/01/2114
सूर्य 13/03/2068	चंद्र 15/08/2080	मंगल 12/04/2092	राहु 03/03/2107	गुरु 15/05/2115
चंद्र 12/08/2069	मंगल 11/01/2081	राहु 13/04/2095	गुरु 20/12/2107	शनि 13/12/2116
मंगल 10/08/2070	राहु 30/01/2082	गुरु 12/12/2097	शनि 01/12/2108	बुध 14/05/2118
राहु 26/02/2073	गुरु 06/01/2083	शनि 12/02/2101	बुध 07/10/2109	केतु 13/12/2118
गुरु 04/06/2075	शनि 15/02/2084	बुध 14/12/2103	केतु 12/02/2110	शुक्र 16/11/2119
शनि 11/02/2078	बुध 11/02/2085	केतु 12/02/2105	शुक्र 12/02/2111	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देशियत लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।